बाबा मुक्तानन्द की सिखावनी

२

नीलबिन्दु परमात्मा का निवास-स्थान है, हमारे भीतर विद्यमान आत्मा का स्वरूप है। एक बार तुम इसे अपने में देखने लगोगे तो तुम दूसरों में भी इसे देखने लगोगे। निरन्तर ध्यान करते-करते एक दिन यह प्रकाश विस्तृत हो जाएगा और इसके अन्दर तुम सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के दर्शन करोगे। जब तुम इस प्रकाश में लीन हो जाओगे तो तुम्हें "मैं परमात्मा हूँ, मैं ब्रह्म हूँ," का बोध होगा।

~ बाबा मुक्तानन्द

स्वामी मुक्तानन्द, *ध्यान-सोपान : अन्तर-आनन्द की ओर* [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, चेन्नई, २०१७] पृष्ठ : ३०।

© २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।